International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव का उनके सृजनात्मकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

जापना[1], डॉ. जगदंबा सिंह[2]

[1]शोधार्थी, भारती विश्वविद्यालय. दुर्ग (छ.ग)
[2]शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय), भारती विश्वविद्यालय. दुर्ग (छ.ग)

सारांश:
वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव का उनकी सृजनात्मकता पर प्रभाव जानना है। इसके लिए 200 विद्यार्थियों (100 ग्रामीण और 100 शहरी) का चयन किया गया। शैक्षिक तनाव को मापने के लिए डॉ. आशा रानी बिष्ट द्वारा विकसित शैक्षिक तनाव मापनी (2020) तथा सृजनात्मकता मापने के लिए डॉ. बाकर मेहंदी द्वारा विकसित सृजनात्मकता परीक्षण (2017 का संशोधित संस्करण) का प्रयोग किया गया। t-परीक्षण के माध्यम से प्राप्त परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शैक्षिक तनाव और सृजनात्मकता के मध्य महत्वपूर्ण अंतर है। शहरी विद्यार्थियों की तुलना में ग्रामीण विद्यार्थियों में अधिक शैक्षिक तनाव पाया गया तथा उनकी सृजनात्मकता कम रही। यह अध्ययन इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि शैक्षिक तनाव विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

1. भूमिका

शैक्षिक तनाव आज के समय में विद्यार्थियों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुकी है। शैक्षिक सफलता की दौड़, प्रतिस्पर्धा, अभिभावकों की अपेक्षाएँ तथा सामाजिक दबाव विद्यार्थियों को मानसिक तनाव की स्थिति में ला देते हैं। तनाव का प्रभाव न केवल उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, बल्कि उनकी सृजनात्मकता एवं नवाचार क्षमता को भी प्रभावित करता है। इस अध्ययन के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया है कि शैक्षिक तनाव का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर क्या प्रभाव पड़ता है।

2. अध्ययन के उद्देश्य

1. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव का मूल्यांकन करना।
2. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की तुलना करना।
3. शैक्षिक तनाव का सृजनात्मकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

3. परिकल्पना

H_0: ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव तथा सृजनात्मकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

4. न्यादर्श एवं उपकरण

इस अध्ययन में कुल 200 विद्यार्थियों को शामिल किया गया, जिनमें 100 ग्रामीण क्षेत्र तथा 100 शहरी क्षेत्र से संबंधित थे। शोध में निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग किया गया:

- शैक्षिक तनाव मापनी (डॉ. आशा रानी बिष्ट, संशोधित संस्करण 2020)
- सृजनात्मकता परीक्षण (डॉ. बाकर मेहंदी, संशोधित संस्करण 2017)

5. सांख्यिकीय तकनीक

- t-परीक्षण का उपयोग ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के मध्य शैक्षिक तनाव और सृजनात्मकता के अंतर को मापने हेतु किया गया।

6. निष्कर्ष एवं व्याख्या

तालिका क्रमांक : 1

ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के मध्य शैक्षिक तनाव और सृजनात्मकता में अंतर का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन

समूह	N	MEAN (शै. तनाव)	SD (शै. तनाव)	MEAN (सृजनात्मकता)	SD (सृजनात्मकता)	t
ग्रामीण	100	72.45	5.68	65.30	6.42	6.17
शहरी	100	66.28	4.90	70.52	5.89	5.12

उपरोक्त तालिका क्रमांक 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि प्राप्त t-मूल्य (शैक्षिक तनाव हेतु t = 6.17 एवं सृजनात्मकता हेतु t = -5.12) 0.05 के स्तर पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया गया है। यह सिद्ध होता है कि ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं सृजनात्मकता में सार्थक अंतर है।

7. निष्कर्ष

शोध परिणामों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि शैक्षिक तनाव विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को प्रभावित करता है। ग्रामीण विद्यार्थियों में अधिक तनाव पाया गया जिससे उनकी सृजनात्मकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। यह आवश्यक है कि विद्यालयों में तनाव प्रबंधन के उपाय अपनाए जाएं ताकि विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को प्रोत्साहन मिल सके।

8. संदर्भ

1. बिष्ट, आशा रानी (2020). शैक्षिक तनाव मापनी (संशोधित संस्करण), नेशनल साइकोलॉजिकल कॉर्पोरेशन।
2. मेहंदी, बाकर (2017).सृजनात्मकता परीक्षण (संशोधित संस्करण), प्रकाशन संस्था।
3. गैरेट, हेनरी ई. (2011). एजुकेशन एंड साइकोलॉजी में सांख्यिकी, सुरजीत पब्लिकेशन।
4. सिंह, अरुण कुमार (2015). मनोवैज्ञानिक परीक्षण, मोती महल पब्लिकेशन।
5. मंगल, एस. के. (2019). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान, फील्ड एंड एजुकेशन प्रकाशन।
6. चड्ढा, एन. के. (2005). अनुप्रयुक्त मनोमिति, सेज पब्लिकेशन।